

भारतीयदर्शनम् / भारतीयदर्शन (३४७)

शिक्षकाङ्कितमूल्याङ्कनपत्रम् /

शिक्षक - अङ्कितमूल्यांकन-पत्र

पूर्णाङ्कः - २०

- निर्देशः - i) सर्वे प्रश्ना अनिवार्याः। प्रश्नानुसारं समक्षं सर्वे अङ्का निर्देशिताः।
- ii) उत्तरपुस्तिकायाः सम्मुखे स्वनाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या शिक्षणकेन्द्रस्य च नाम इति सर्वे लेखनीयम्।

- निर्देश - i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अङ्क सामने दिए गए हैं।
- ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या, अध्ययन केन्द्र का नाम लिखिए।

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं ४०-६० शब्देषु लिखत। २×१=२
- (क) सांख्यदर्शननये प्रकृतिविकृतयः प्रतिपाद्यन्ताम्। (द्रष्टव्यः पाठः-१)
- (ख) किं नाम प्रधानम्। तस्य सद्भावे च मानं स्पष्टयत। (द्रष्टव्यः पाठः-२)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर ४०-६० शब्दों में लिखिए।
- (क) सांख्यदर्शन के मत में प्रकृतिविकृतियों का स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए। (देखें पाठ-१)
- (ख) प्रधान क्या है? उसकी सद्भाव पर प्रमाण क्या है स्पष्ट कीजिए। (देखें पाठ-२)
2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं ४०-६० शब्देषु लिखत। २×१=२
- (क) अतिव्याप्तिः का इति स्पष्टयत। (द्रष्टव्यः पाठः-५)
- (ख) साक्षिस्वरूपं प्रतिपादयत। (द्रष्टव्यः पाठः-६)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर ४०-६० शब्दों में लिखिए।
- (क) अतिव्याप्ति क्या है? स्पष्ट कीजिए। (देखें पाठ-५)
- (ख) साक्षिस्वरूप का प्रतिपादन कीजिए। (देखें पाठ-६)
3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं ४०-६० शब्देषु लिखत। २×१=२
- (क) ब्रह्मणः स्वरूपलक्षणप्रतिपादकानि श्रुतिवाक्यानि कानि? तानि प्रतिपादयत। (द्रष्टव्यः पाठः-११)
- (ख) माया एका अनेका वा इति विचारयत। (द्रष्टव्यः पाठः-१२)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर ४०-६० शब्दों में लिखिए।
- (क) ब्रह्म के स्वरूपलक्षण का प्रतिपादन करने वाले श्रुतिवाक्य कौन से हैं? उनका प्रतिपादन कीजिए। (देखें पाठ-११)
- (ख) विचार करें कि माया एक है या अनेक। (देखें पाठ-१२)

4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं १००-१५० शब्देषु लिखत। ४×१=४
- (क) 'अहं ब्रह्मास्मि' इति श्रुतिवाक्यं व्याख्यात। (द्रष्टव्यः पाठः-१९)
- (ख) 'तत्त्वमसि' इत्यत्र काचित् लक्षणा स्वीक्रियते न वा इति प्रतिपादयत। (द्रष्टव्यः पाठः-२०)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर १००-१५० शब्दों में लिखिए।
- (क) 'अहं ब्रह्मास्मि' इस श्रुतिवाक्य की व्याख्या करें। (देखें पाठ-१९)
- (ख) 'तत्त्वमसि' इस श्रुतिवाक्य में कोई लक्षणा स्वीकार की गई है या नहीं - प्रतिपादन करें। (देखें पाठ-२०)
5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं १००-१५० शब्देषु लिखत। ४×१=४
- (क) कः वेदान्तशास्त्रे अधिकारी? स्पष्टयत। (द्रष्टव्यः पाठः-२१)
- (ख) मानवस्य अन्तकरणे के दोषाः सन्ति? तान् प्रतिपादयत। (द्रष्टव्यः पाठः-२१)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर १००-१५० शब्दों में लिखिए।
- (क) वेदान्तशास्त्र में अधिकारी कौन है - स्पष्ट कीजिए। (देखें पाठ-१८)
- (ख) मनुष्य के अन्तकरण में क्या दोष हैं? प्रतिपादन करें। (देखें पाठ-१९)
6. अधोलिखतयोः कमपि विषयमाश्रित्य परियोजनाविवरणं ५०० शब्देषु लिखत। ६×१=६
- (क) सूक्ष्मशरीरं विस्तारेण वर्णयत। (द्रष्टव्यः पाठः-१७)
- (ख) पञ्च कोशान् विस्तारेण प्रतिपादयत। (द्रष्टव्यः पाठः-१८)
- नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजनारूप में विवरण ५०० शब्दों में लिखिए।
- (क) सूक्ष्मशरीर का विस्तार से वर्णन कीजिए। (देखें पाठ-१७)
- (ख) पाँच कोशों को विस्तार से समझाएँ। (देखें पाठ-१८)